RNI No. GUJHIN/2011/39228
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 15
अंक : 126
दि. 05.09.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'बच्चों की टॉफी पर भी टैक्स लेती थी कांग्रेस...', पीएम मोदी बोले- 'हमने आपका बजट कम किया'

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। जीएसटी की दरों में किए गए बदलाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह आम लोगों के जीवन में खुशहाली का डबल धमाका है। इनकम टैक्स में मिली 12 लाख तक की छूट के बाद अब जीएसटी की दरों में की गई कटौती से घरों का बजट सुधरेगा। आम लोगों की बचत बढ़ेगी।

इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस को कोसा और कहा कि 2014 से पहले सौ रुपए का सामान खरीदने पर 20 से 25 रुपए तक टैक्स देना पड़ता था। इनमें अब भारी कमी की गई है। कई आम जरूरत की चीजों को टैक्स फ्री भी किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बातें राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को अपने आवास पर राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि समय के अनुकूल निरंतर रिफॉर्म होते ही रहने चाहिए। इसके बगैर हम आज वैश्विक मुकाबले में नहीं खड़े हो पाएंगे। पीएम ने कहा कि आज भाजपा और एनडीए की सरकार के दौरान जहां हमारा जोर लोगों की बचत कैसे ज्यादा से ज्यादा हो, वहीं 2014 से पहले यानी कांग्रेस की सरकार के समय में लोगों पर बोझ डालने का काम किया गया। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि 2014 से पहले आम लोगों से जुड़ी साइकिल पर भी 17 प्रतिशत, सिलाई मशीन पर 16 प्रतिशत का टैक्स लिया जाता था।

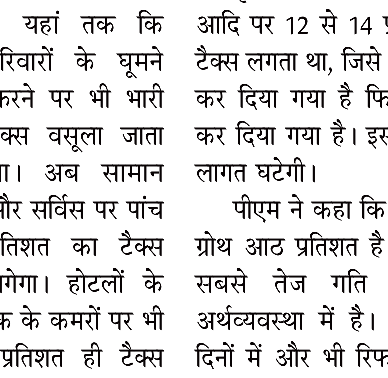

यहां तक कि परिवारों के घूमने फिरने पर भी भारी टैक्स वसूला जाता था। अब सामान और सर्विस पर पांच प्रतिशत का टैक्स लगेगा। होटलों के साढ़े सात हजार तक के कमरों पर भी अब सिर्फ पांच प्रतिशत ही टैक्स लगेगा। शिक्षकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के समय में लोगों के लिए घर बनाना भी महंगा था। सीमेंट पर 29 प्रतिशत टैक्स लगाया गया था।

कृषि उपकरणों और खाद, दवाओं पर घटा टैक्स

कृषि उपकरणों और खाद, दवाओं आदि पर 12 से 14 प्रतिशत तक का टैक्स लगता था, जिसे अब या तो शून्य कर दिया गया है फिर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इससे किसानों की लागत घटेगी।

पीएम ने कहा कि आज भारत की ग्रोथ आठ प्रतिशत है। दुनिया में हम सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था में है। हम आने वाले दिनों में और भी रिफार्म लाएंगे। यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। छोटे व्यापारियों को इस दौरान टैक्स से छूट तो मिली है। उसकी टैक्स प्रक्रिया में भी कई सुधार किए गए है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के प्रमोशन के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दिल्ली में अग्रणी उद्योगपतियों और संगठनों के साथ की सार्थक परिचर्चा बैठक

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा: गुजरात ट्रेड एन्ड ट्रेडिशन, कॉमर्स एन्ड कल्चर, इन्डस्ट्री एन्ड आन्त्रेप्रन्योर्शिप का संगम है।

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के मार्गदर्शन में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC), राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट पहचान, औद्योगिक क्षमता, आर्थिक संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत को और उजागर करेगी।
- गुजरात की विकास यात्रा का नेक्स्ट स्टेप भविष्य के लिए तैयार मेगा प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगा।
- 'क्षेत्रीय आकांक्षा, वैश्विक महत्वाकांक्षा' की थीम के साथ आयोजित होने वाली VGRC, प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
- VGRC, निवेशकों को रीजनल इकोसिस्टम से सीधे जुड़ने का और स्थानीय MSMEs एवं सहायक उद्योगों को और विकसित होने का अवसर प्रदान करेगी।
- वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, क्षेत्रीय संतुलित विकास और समावेशी प्रगति का 'गुजरात मॉडल' बनेगी: श्री पंकज जोशी, मुख्य सचिव

गांधीनगर, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाला वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट पहचान, औद्योगिक क्षमता, आर्थिक विकास की संभावनाओं और सांस्कृतिक विरासत को और व्यापक स्तर पर उजागर करेगी।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के प्रमोशन के लिए नई दिल्ली में अग्रणी उद्योगपतियों और औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ आयोजित परिचर्चा बैठक एवं रोड शो में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अध्यक्षीय संबोधन कर रहे थे।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रेड एन्ड ट्रेडिशन, कॉमर्स एन्ड कल्चर, इन्डस्ट्री एन्ड आन्त्रेप्रन्योर्शिप का अद्भुत संगम रखने वाला वाइब्रेंट गुजरात, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी की प्रेरणा से शुरू हुए वाइब्रेंट गुजरात समिट के माध्यम से देश के विकास का "ग्रोथ इंजन" बन चुका है।

उन्होंने कहा कि 2003 में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की शुरूआत का जो विचार प्रधानमंत्री ने दिया था, वह राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए गेम चेंजर साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस समिट की दो दशकों की उल्लेखनीय सफलता के कारण, आज गुजरात देश का सबसे औद्योगिकीकृत और शहरीकृत राज्य बनकर निवेशकों के लिए "मोस्ट प्रेफर्ड डेस्टिनेशन" बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने सर्व समावेशी और हर व्यक्ति, हर क्षेत्र तक पहुँचने वाले विकास का विजन दिया है। इस विजन को पूरा करने के लिए, वाइब्रेंट गुजरात समिट की सफलता के बाद अब प्रादेशिक स्तर पर औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस शुरू किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गुजरात के कुछ क्षेत्रों का प्रोडक्शन और आउटपुट, देश के कई राज्यों के इन्डस्ट्रियल आउटपुट से भी अधिक है। इन रीजनल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य गुजरात क्षेत्रों में सेक्टर स्पेसिफि क निवेश के नए अवसर खुलेंगे और भविष्य-उन्मुख विकास को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य में पीएम मित्र पार्क, बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, एग्रो फूड पार्क जैसे विशेष औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं, इसकी भी जानकारी दी और कहा कि ये पहल व्यापक स्तर पर प्रादेशिक विकास संभावनाओं को और मजबूत करेगी। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात की विकास यात्रा का अगला चरण गिफ़्ट सिटी, धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन, सेमीकॉन, ग्रीनफील्ड पोर्ट्स, ग्रीन एनर्जी जैसे फ्यूचर रेडी मेगा प्रोजेक्ट्स द्वारा संचालित होगा।

ऐसे भविष्य-उन्मुख मेगा प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ क्षेत्रीय औद्योगिक क्षमता के परिणामस्वरूप, वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस निवेशकों को रीजनल इकोसिस्टम से सीधे जुड़ने का अवसर देगा। इतना ही नहीं, स्थानीय टरटए और सहायक उद्योगों को भी और विकसित होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन रीजनल कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रेड शो, प्रदर्शनी और सेक्टर स्पेसिफि क सेमिनार के आयोजन से क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के सामने प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा। माननीय मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा कि ह्यक्षेत्रीय आकांक्षा-वैश्विक महत्वाकांक्षाह्व की थीम के साथ आयोजित होने वाला यह आयोजन, प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल के संकल्प को भी साकार करेगा। साथ ही, विकसित गुजरात @2047 के लिए राज्य की अर्थव्यवस्था को 3.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आगामी 9-10 अक्टूबर को उत्तर गुजरात में होने वाले पहले रीजनल कॉन्फ्रेंस और उसके बाद राज्य के अन्य तीन क्षेत्रों में आयोजित होने वाले श्क्रफ्ठ में सक्रिय भागीदारी देकर विकास की इस ऐतिहासिक यात्रा के साक्षी बनने के लिए उद्योग जगत के अग्रणियों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2003 में राज्य में शुरू हुई समिट अब नीति, साझेदारी और निवेश का एक सशक्त मंच बन गई है। ह्वविकसित गुजरात @2047ह्व में ह्वविकसित भारत @2047ह्व के विजन को साकार करने में और बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस संदर्भ में मुख्य सचिव ने बताया कि भारत सरकार के बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में गुजरात ने लगातार शीर्ष स्थान बनाए रखा है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस एक्ट-2017 के तहत राज्य में निश्चित समयावधि में स्वीकृतियों का निपटान अनिवार्य किया गया है। 200 से अधिक व्यवसाय-संबंधी स्वीकृतियों के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में एंड टू एंड ऑनलाइन आवेदन प्रणाली वाला इन्वेस्टर्स फैसिलिटेशन पोर्टल भी कार्यरत है। इतना ही नहीं, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, डिफेंस और एयरोस्पेस जैसे सनराइज सेक्टर्स में निवेश आकर्षित करने में भी गुजरात सफलतापूर्वक आगे रहा है। इसे और गति देने के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, क्षेत्रीय संतुलित विकास और समावेशी प्रगति का 'गुजरात मॉडल' बनेगी।

भारत सरकार के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (DPIIT) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया ने गुजरात सरकार द्वारा शुरू की जा रही वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की सराहना करते हुए कहा कि इस कॉन्फ्रेंस से टियर-2 और टियर-3 शहरों में नई इंडस्ट्रीज का विकास होगा और छोटे शहरों में नए स्टार्टअप्स को उभरने का अवसर मिलेगा।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से भेंट की

(जीएनएस)।

सिंगापुर गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम श्री लॉरेंस वोंग ने आज (4 सितंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट की।

राष्ट्रपति महोदया ने राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और सिंगापुर एक-दूसरे के लिए महत्वपूर्ण साझेदार हैं और सिंगापुर भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत के दृष्टिकोण में भी एक प्रमुख भागीदार है।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह वर्ष विशेष महत्व का है, क्योंकि यह हमारे देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ है। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन ने इस वर्ष जनवरी में भारत का दौरा किया था। विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन सहित छह वरिष्ठ मंत्रियों ने कुछ ही सप्ताह पहले दिल्ली में आयोजित तीसरी भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक में भी भाग लिया था। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत-सिंगापुर संबंध एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुँच गए हैं।

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और प्रधानमंत्री मोदी ने आज संयुक्त रूप से इस साझेदारी के लिए एक रूपरेखा तैयार की है, जो वास्तव में हमारे द्विपक्षीय सहयोग की गहराई और विस्तार को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि आज संपन्न हुए द्विपक्षीय समझौते हरित अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष, नागरिक उड्डयन, वित्तीय प्रौद्योगिकी और कौशल विकास जैसे नए और उभरते क्षेत्रों में हमारे सहयोग को प्रोत्साहन देंगे।

राष्ट्रपति ने दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों के बारे में कहा कि सिंगापुर भारत के लिए निवेश का एक प्रमुख स्रोत है और भारत में सिंगापुर का निवेश भी बढ़ रहा है। उन्होंने दोनों देशों के बढ़ते रक्षा सहयोग का भी उल्लेख किया, जिसमें द्विपक्षीय अभ्यास और प्रशिक्षण शामिल हैं।

बेहतर कनेक्टिविटी पूर्वोत्तर भारत की आकांक्षाओं को उड़ान दे रही है': राममोहन नायडू

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से आज अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में नागरिक उड्डयन 2025 पर पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रियों का सम्मेलन और तीसरा पूर्वोत्तर विमानन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू उपस्थित थे। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री तेसम पोंगटे उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

डीआरडीओ ने तीन उन्नत उपकरण प्रौद्योगिकियां उद्योग क्षेत्र को हस्तांतरित कीं

रक्षा अनुसंधान एवं विकास सगंठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद स्थित रक्षा धातुकर्म अनुसंधान

प्रयोगशाला (डीएमआरएल) ने उद्योग क्षेत्र को तीन उन्नत उपकरण प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की हैं। 30 अगस्त, 2025 को डीएमआरएल, हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने उद्योग क्षेत्र के भागीदारों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु लाइसेंसिंग समझौते (एलएटीओटी) के दस्तावेज सौंपे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने अमृतसर, कपूरथला और गुरदासपुर जिले के गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद किया और पानी से भरे खेतों में उतरकर फसलों के नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान किसानों ने केंद्रीय मंत्री को फसलों के भारी नुकसान की जानकारी दी, जिस पर शिवराज सिंह ने कहा कि किसान भाई-बहन चिंता ना करें, सरकार उनके साथ है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सुबह अमृतसर पहुंचने पर बाढ़ की स्थिति को लेकर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय मंत्री से हवाईअड्डे पर भेंट की और उन्हें बाढ़ से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, वहीं अन्य पदाधिकारियों ने भी केंद्रीय कृषि मंत्री को बाढ़ की गंभीर

स्थिति के बारे बताया।

इसके तत्काल बाद, बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्थिति बहुत गंभीर है, संकट भयानक है। जलप्रलय के कारण फसलें डूबी हुई हैं और पूरी तरह से तबाह और बर्बाद हो गई हैं। लगभग 1,400 गाँव पूरी तरह प्रभावित हैं। 26 अगस्त से यहाँ खेतों में पानी भरा हुआ है। रावी का पानी खेतों में बह रहा है। पाँव के नीचे मिट्टी नहीं, सिल्ट है, जो जमा हो गई है। यह फसल तो खत्म हो गई है, अगली फसल पर भी संकट है। दर्द और नुकसान का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थिति देखकर मन द्रवित होता है, लेकिन इस समस्या से अपने किसान भाई-बहनों को जरूर बाहर निकालेंगे। यह चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हरसंभव प्रयास किया जाएगा और राहत पहुंचाने के लिए पूरी मदद की जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि पंजाब में स्थिति का आकलन करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार ने दो उच्चस्तरीय टीमें भेजी हैं।

भारत ने खेलों में उन्नत डोपिंग रोधी परीक्षण के लिए दुर्लभ संदर्भ सामग्री विकसित की

नाइपर, गुवाहाटी और एनडीटीएल ने वैश्विक डोपिंग रोधी प्रयासों के लिए 'मेथेनडिएनोन लॉन्ग टर्म मेटाबोलाइट' के सिन्थसाइज हेतु सहयोग किया

(जीएनएस)।

खेलों में डोपिंग रोधी प्रयासों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए औषधि विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधि शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाइपर), गुवाहाटी ने राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) नई दिल्ली के सहयोग से एक दुर्लभ और उच्च शुद्धता वाली संदर्भ सामग्री (आरएम) – मेथेनडिएनोन लॉन्ग टर्म मेटाबोलाइट (एलटीएम) का सफलतापूर्वक विकास किया है।

इस संदर्भ सामग्री का औपचारिक शुभारंभ आज नई दिल्ली में एनडीटीएल की 22वीं शासी निकाय

बैठक के दौरान माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने किया गया। इस कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, औषधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और नाइपर गुवाहाटी और एनडीटीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संदर्भ सामग्री (आरएम) मादक पदार्थों या उनके मेटाबॉलिट्स के सबसे उच्च शुद्ध और वैज्ञानिक रूप से विशेषता रूप हैं। यह सटीक विश्लेषणात्मक परीक्षण के लिए आवश्यक हैं। डोपिंग रोधी के संदर्भ में ये 450 से अधिक पदार्थों का पता लगाने में महत्वपूर्ण हैं, जो वर्तमान में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा प्रतिबंधित हैं। डोप परीक्षण में इनके विशिष्ट अनुप्रयोग के कारण, ये आरएम विश्व स्तर पर केवल 4-5 निमार्ताओं द्वारा उत्पादित किए जाते हैं। इससे ये दुर्लभ और अक्सर महंगे होते हैं। राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) और नाइपर-गुवाहाटी 22 ऐसी संदर्भ सामग्री तैयार करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो डोपिंग रोधी विश्लेषण के लिए दुनिया भर में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

आईएमडी हेतु मौसम के अंतर्गत 4 अतिरिक्त रडार स्थापित करेगा: डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जम्मू-कश्मीर में ज्यादा सटीक, जिलेवार विशिष्ट मौसम पूवार्नुमान एवं पूर्व चेतावनियां जारी करने के लिए मिशन मौसम के अंतर्गत 4 अतिरिक्त रडार स्थापित करेगा, जिनमें से 3 रडार पहले से ही चालू हैं।

केंद्रीय मंत्री ने विशेष रूप से मंत्रालय और आईएमडी को निर्देश दिया कि वे उत्तर भारत के मौसम प्रभावित क्षेत्रों जैसे जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के लिए विशेष जिलावार पूवार्नुमान जारी करें।

सम्पादकीय

संर्कीण विचार

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद संविधान, अदालत और कांग्रेस से भी श्रेष्ठ समझते हैं, इसलिए उनका व्यवहार और प्रावृत्ति भी तानाशाही की हो गई है। तानाशाह का तर्व अजीबोगरीब होता है इसलिए अमेरिकी प्राशासन ने भारत पर टैरिफ ज्यादा लगाने की कार्रवाई को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व दिए जिसकी चर्चा स्वाभाविक है। दरअसल टैरिफ नीतियों के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से पहले ही झटका लग चुका है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को गैर कानूनी बताते हुए कहा था कि ट्रंप के पास हर देश पर इस तरह से टैरिफ लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि आपातकाल घोषित कर दुनिया पर टैक्स लगाना सही नहीं है। अब ट्रंप ने इस पैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान ट्रंप प्राशासन ने भारत पर थोपे गए 50 प्रातिशत टैरिफ को सही साबित करने के लिए अजीबोगरीब तर्व देते हुए सालिसिटर जनरल जान सायर ने जजों से कहा कि भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ कम करने से अमेरिका को दूसरे देशों से बदले का सामना करना पड़ सकता है। जनरल ने बड़ी निर्लज्जतापूर्वक एक कपोल कल्पित दलील यह भी दी कि यदि टैरिफ कम कर दिया गया या हटा दिया गया तो दुनिया में शांति स्थापित करने की कोशिशों को भी झटका लगेगा।

मतलब यह कि भारत के खिलाफ टैरिफ लगाकर ट्रंप प्राशासन रूस व यूव्रेन की युद्ध को खत्म कराने का दावा कर रहा है। यही नहीं ट्रंप यह भी दावा कर सकते हैं कि भारत पर टैरिफ बढ़ा दिया अन्यथा भारत पाकिस्तान पर हमला कर देता। ऐसा गपोड़ी राष्ट्रपति आज तक अमेरिका में न भूतो (हुआ) और न भविष्यति (होगा)। दूसरी तरफ यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षा उसुर्ला वेन डेर लेयेन ने प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन के जरिए बात करने के बाद बृहस्पतिवार को दावा किया कि यूोन युद्ध को खत्म करवाने में भारत अहम भूमिका निभा रहा है। यही नहीं यूव्रेन के राष्ट्रपति से लगातार संपर्व में होने के लिए भी उन्होंने प्राधानमंत्री को धन्यवाद भी दिया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए उर्सला ने लिखा है कि ह्यह्ययह युद्ध वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुत हानिकारक है। यह दुनिया की आर्थिक स्थिरता को कमजोर करता है, इसलिए दुनिया के लिए एक जोखिम है। यूरोपियन यूनियन को अमेरिका के हर राष्ट्रपति ने यह साबित करने की कोशिश की कि अमेरिका की मदद के बिना यूरोपीय देशों को कोई भी पूछने वाला नहीं है। मतलब कि ऊर्जा हो या सुरक्षा सभी जरूरतें पूरा करने के लिए वे अमेरिका को धन्यवाद बोलने के लिए मजबूर रहते थे। सच तो यह है कि अमेरिका के नाराज होने के डर से यूरोपीय यूनियन के देश उस देश के साथ मैत्री या सहयोग की चेन तोड़ देते थे जिससे कि व्हाइट हाउस की ब्व्रदृष्टि न पड़ जाए! लेकिन अब यूरोपीय देशों ने खुलकर अमेरिका से अलग रास्ता अपना लिया है।

उर्सला ने तो कहा है कि वह भारत के साथ प्री ट्रेड एग्रीमेंट करने जा रही हैं। हैरानी की बात है कि ट्रंप ने अपने व्यवहार से अपनी सरकार को इतना परेशान कर दिया है कि उनके मंत्री ही शिकायत कर रहे हैं कि ट्रंप पैसले को लेकर जब सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं तब उन्हें पता चलता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देश जब पस्त हो गए तो अमेरिका धीरे-धीरे उनके राष्ट्रीय हितों पर एकाधिकार करता चला गया। मजे की बात तो यह है कि यूरोपीय देशों ने भी कोई ऐतराज नहीं किया। धीरे-धीरे स्थिति यह आ गई कि सुरक्षा के मामले पर तो वे सभी अमेरिका पर निर्भर हो गए जबकि अपने विदेश व्यापार एवं वूटनीति निर्धारण में भी अमेरिकी इच्छा-अनिच्छा पर निर्भर होते गए।

बहरहाल जब से ट्रंप यूरोपीय देशों को इस बात के लिए झिड़की लगाने लगे हैं कि यूरोपीय देशों की सुरक्षा करना अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है और टैरिफ का डर दिखाने लगे हैं तब से यूरोपियन यूनियन के देशों ने अब ट्रंप और उनके अमेरिकी प्राशासन की परवाह करना बंद कर दिया है।

ट्रंप की पार्टी में भारत की ताकत देख हिल जाएगा पाकिस्तान! राष्ट्रपति ने बेस्ट फ्रेंड मस्क को भी रखा बाहर

(जीएनएस)।

व्हाइट हाउस में गुरुवार की रात एक खास डिनर हुआ। इस दौरान टेक्नोलॉजी की दुनिया के सबसे बड़े नाम एक ही टेबल पर जमा दिखे। शाही डाइनिंग टेबल पर सामने डोनाल्ड ट्रंप, पास में मेलानिया ट्रंप और बिल गेट्स से लेकर सुंदर पिचाई, टिम कुक, सत्या नडेला और मार्क जुकरबर्ग तक, सब मौजूद थे। लेकिन इस हाई-प्रोफाइल लिस्ट में एक नाम गायब रहा।

लंबी मेज के बीचोबीच राष्ट्रपति ट्रंप बैठे थे। उनके दाईं ओर फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और बाईं ओर मार्क जुकरबर्ग। डिनर से पहले दिन में मेलानिया ने व्हाइट हाउस में बने नए अक शिक्षा टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता भी की थी।

लिस्ट से कौन था गायब?

गेस्ट लिस्ट में सबसे चौंकाने वाली अनुपस्थिति एलन मस्क की रही। कभी ट्रंप के करीबी रहे मस्क अब उनसे रिश्ते तोड़ चुके हैं। इसी साल दोनों का विवाद सामने आया था। ट्रंप ने खुद कहा है कि मस्क की नाराजगी की एक वजह उनके सहयोगी जेरेड इसाकमैन का नासा प्रमुख पद से नाम वापस लेना भी था।

अचानक अंदर शिफ्ट क्यों हुआ डिनर?

यह डिनर असल में रोज गार्डन में होना था, जहां ट्रंप ने हाल ही में घास हटाकर मार-ए-लागो क्लब जैसी सजावट करवाई थी। लेकिन व्हाइट हाउस में बारिश शुरू हो गई, तो अचानक कार्यक्रम को स्टेट डाइनिंग रूम में शिफ्ट कर दिया गया।

किन-किन बड़े नामों की मौजूदगी रही

इस डिनर में शामिल हुए टेक दिग्गजों की लिस्ट लंबी थी-

- गूगल के संस्थापक सर्गेई ब्रिन
- माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला
- ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन और ग्रेग ब्रॉकमैन
- आईबीएम के अरविंद कृष्णा

- ओरेकल की सफरा कैट्ज
- ब्लू ओरिजिन के डेविड लिम्प
- स्केल AI के एलेक्जेंडर वांग
- माइक्रोन के संजय मेहरोत्रा
- और कई दूसरे बड़े नाम

अक को लेकर राजनीति और विवाद

ट्रंप का यह कदम रिपब्लिकन पार्टी में मतभेद भी बढ़ा सकता है। क्योंकि पार्टी के नेता, सीनेटर जोश हॉले ने टेक कंपनियों और खासकर अक पर कड़ा हमला बोला। उनका कहना है- 'सरकार को इन अक प्रणालियों की जांच करनी चाहिए, ताकि हम समझ सकें ये कंपनियां क्या बना रही हैं और क्या बिगाड़ सकती हैं।'

ट्रंप का AI वाला मजाकिया अंदाज

ट्रंप खुद अक्सर अकसे बने मीम्स और वीडियो शेयर करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था- अगर कुछ बुरा हुआ तो 'मैं उसका ठीकरा AI पर फोड़ दूंगा।' उन्होंने कई AI मीम्स भी पोस्ट किए, जिनमें अजीबो-गरीब तस्वीरें थीं।

मेलानिया की साफ चेतावनी

फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप ने AI को लेकर सतर्कता पर जोर दिया। उनका कहना है- जैसे हम बच्चों को सिखाते-संभालते हैं, वैसे ही AI को भी सही रास्ते पर रखना होगा। उन्होंने बच्चों के लिए AI से जुड़े प्रोजेक्ट्स की प्रतियोगिता भी शुरू की है। साथ ही, मेलानिया ने कांग्रेस से गुजारिश की है कि AI या डीपफेक का इस्तेमाल कर ऑनलाइन शोषण करने वालों पर सख्त सजा वाला कानून बनाया जाए।

पाकिस्तान के लिए झटका क्यों?

ट्रंप के इस हाई-प्रोफाइल डिनर में भारतीय मूल के कम से कम छह प्रमुख टेक दिग्गज मौजूद थे, जो इस क्षेत्र में भारतीयों की बढ़ती ताकत को दशार्ता है। जबकि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखी हैं। दूसरी ओर भारत ने अपनी स्थिति दृढ़ता से बनायी रखी है।

अमेरिका के आगे नहीं झुका भारत

भारत ने अमेरिकी टैरिफ के दबाव में भी कृषि और उद्योग क्षेत्रों का संरक्षण किया है और अमेरिका के दबावों को स्वीकार नहीं किया है। यह साफ संकेत है कि भारत न सिर्फ अपने हितों के लिए अडिग है, बल्कि वह वैश्विक मंच पर अपनी तकनीकी और आर्थिक शक्ति से पाकिस्तान सहित अपने पड़ोसी देशों के लिए चुनौती बन रहा है।

कौन है ये आईपीएस अंजना कृष्णा? जिनकी अजित पवार से हुई गरमागरम बहस, डिप्टी सीएम बोले- इतनी हिम्मत तुम्हारी

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के सोलापुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होकर जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। इस वीडियो में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और डीएसपी अंजना कृष्णा के बीच तीखी बहस होती नजर आ रही है।

फोन कॉल पर आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा ने अजित पवार को पहचानने से इनकार कर दिया तो अजित पवार आगबबूला हो गए और उन्होंने आईपीएस आधिकारी पर कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी तक दे डाली। जानिए आखिर क्या है पूरा मामला और कौन हैं ये महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा?

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, यह विवाद सोलापुर के माढा तालुका के कुर्डू गांव में अवैध मुरुम उत्खनन के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के दौरान शुरू हुआ, जिसकी शिकायतें लगातार मिल रही थीं। डीएसपी अंजना कृष्णा मौके पर कार्रवाई के लिए पहुंची थीं, जहां उनका स्थानीय ग्रामीणों से आमना-सामना हुआ।

NCP कार्यकर्ता ने सीधे डिप्टी सीएम को मिला दिया फोन

इसी बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता बाबा जगताप ने सीधे उपमुख्यमंत्री अजित पवार को फोन कर दिया और वह कॉल डीएसपी को थमा दिया।

IPS ने डिप्टी सीएम को पहचानने से कर दिया इनकार

फोन पर अजित पवार ने खुद को 'डीसीएम अजित पवार' बताते हुए डीएसपी को कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया। हालांकि, अंजना कृष्णा ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया और कहा कि वे सीधे उनके आधिकारिक नंबर पर कॉल करें।

क्ढर अल्ल्ंल्लं ङ१२ँल्लं ल्लीध्२

अजित वीडियो कॉल करके बोले- मेरा चेहरा तो पहचानोगी ना!

इस पर अजित पवार नाराज हो गए और उन्होंने कहा, "तुम पर कार्रवाई करूंगा, इतनी हिम्मत है तुम्हारी? मेरा चेहरा तो पहचानोगी ना!" इसके बाद अजित पवार ने डीएसपी को वीडियो कॉल किया। वीडियो कॉल पर उन्होंने अधिकारी को कार्रवाई रोकने और तहसीलदार से बात करने का निर्देश दिया। यह पूरा घटनाक्रम लगभग तीन घंटे तक चला और अब इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो

रहा है।

ग्रामीणों ने सच्चाई की बयां

ग्रामीणों का दावा था कि यह उत्खनन ग्राम पंचायत की अनुमति से हो रहा था, लेकिन वे कोई भी आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। इसके बाद महिला आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा ने अपनी कार्रवाई शुरू की। माना जा रहा है कि कार्यकताओं ने अजित पवार को फोन करके ही इस टकराव को बढ़ाया। फिलहाल, इस मामले में पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। डीएसपी अंजना कृष्णा, तहसीलदार और प्रांताधिकारी ने इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है, सिर्फ इतना कहा है कि मामले की जांच की जा रही है।

कौन हैं आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा?

आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा का पूरा नाम अंजना कृष्णा वीएस है। ये वर्तमान समय में महाराष्ट्र के सोलापुर जिले की करमाला की पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद तैनात हैं। अंजना कृष्णा की गिनती तेजतर्रार और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में होती है।

अंजना कृष्णा वी.एस. को यूपीएससी सीएसई 2022-23 में AIR-355 रैंक हासिल की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तिरुवनंतपुरम, केरल में जन्मी अंजना कृष्णा के पिता बीजू का कपड़े का छोटा सा व्यापार है और उनकी मां सीना कोर्ट में टाइपिस्ट की नौकरी करती हैं। मलयंकीजू की रहने वाली

अंजना कृष्णा ने प्रारंभिक शिक्षा सेंट मैरीज सेंट्रल स्कूल, पूजप्पुरा से हासिल की। एचएचएमएसपीबी एनएसएस कॉलेज फॉर वुमेन, नीरमनकारा, तिरुवनंतपुरम से हायर एजुकेशन हासिल की। अंजना ने नीरामंकरा के एनएसएस कॉलेज से बीएससी गणित में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। इसके बाद यूपीएससी की तैयारी की और सफलता हासिल की।

हसीन जहां ने किया मोहम्मद शमी का जन्मदिन खराब करने का प्रयास, फैन्स ने आकर बजा डाली बैंड

(जीएनएस)।

मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं और अपने पति के ऊपर आरोप लगाती रहती हैं। वह मौके की तलाश में रहती हैं और उसी के अनुरूप रिएक्ट करती हैं। इस बार भी हसीन जहां ने मोहम्मद शमी के ऊपर निशाना साधने का काम किया है।

मौका था मोहम्मद शमी के जन्मदिन का, हसीन जहां की तरफ से एक पोस्ट लिखते हुए शमी को अपना दुश्मन बताया है। उन्होंने एक फोटो के साथ कैप्शन में कुछ ऐसा लिखा है, जिससे पता चलता है कि वह किस तरह खुशी के मौके पर शमी को दुखी करने का प्रयास कर रही हैं।

हसीन जहां ने लिखा कि हम दुश्मनों में पैदा हुए, दुश्मनों में ही पले-बढ़े। रिश्ते भी जब जुड़े, तो उन्हीं से जुड़े। आज वही दुश्मन हमें डराते हैं, कहते हैं तेरा सब कुछ बर्बाद कर देंगे। हम मुस्कुरा कर कहते हैं, जिसने कुछ बनाया ही नहीं, वो क्या बिगाड़ेगा?

आगे उन्होंने लिखा कि दुश्मनों ने जब-जब मेरा बिगाड़ा, तब-तब मैंने पहले से ज्यादा तरक्की की, अल्हम्दुलिल्लाह। तो ए दुश्मन भाइयों, बहनों, माताओं और चाचाओं, मेरा और बिगाड़ो, हिम्मत दिखाओ, ताकि मैं और तरक्की कर सकूं, इंशाअल्लाह!

हसीन जहां ने इस तरह की बातें मोहम्मद शमी को तकलीफ पहुंचाने के इरादे से लिखी होगी क्योंकि 3 सितम्बर को शमी ने अपना जन्मदिन मनाया। इन्स्टाग्राम पर मोहम्मद शमी ने इसका एक पोस्ट किया। केक काटते हुए उन्होंने लिखा कि प्यार, मुस्कान और आशीर्वाद से भरी एक खूबसूरत शाम। परिवार के साथ बिताए इन अनमोल पलों के लिए दिल से आभारी हूं।

गौरतलब है कि मोहम्मद शमी इस समय टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, इंग्लैंड दौरे पर उनको नहीं चुना गया था और अब एशिया कप की टीम में भी उनको शामिल नहीं किया गया है। देखना होगा कि वह कब तक भारतीय टीम में वापसी करने में सफल रहते हैं, उनकी उम्र अब 35 वर्ष हो गई है।

हार्दिक पांड्या के नाम होगा अनोखा रिकॉर्ड, एशिया कप के पहले मैच में ही रच देंगे इतिहास

(जीएनएस)।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद हार्दिक पांड्या एक बार फिर से मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। एशिया कप में वह अपना धमाका करते हुए दिखाई देंगे। गेंद और बल्ले दोनों से पांड्या गदर काटने का प्रयास करेंगे और इस दौरान उनके पास एक रिकॉर्ड बनाने का मौका भी है।

यूएई में हार्दिक पांड्या के लिए गेंदबाजी के लिए कंडीशंस खास नहीं होगी लेकिन वह अपनी बैटिंग से बड़ा रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब हैं। 17 रन बनाते ही उनके नाम एशिया कप टी20 में ऐसा कीर्तिमान होगा, जो अन्य किसी खिलाड़ी ने नहीं बनाया।

इस बीच, हार्दिक पांड्या टी20 एशिया कप के दौरान इतिहास रच सकते हैं। हार्दिक अब तक टी20 एशिया कप में 8 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 11 विकेट लिए हैं और 83 रन बनाए हैं।

अनोखे कीर्तिमान से 17 रन दूर

अगर हार्दिक पांड्या आगामी टूनार्मेंट में 17 रन और बना लेते हैं, तो वह टी20 एशिया कप में 100 से अधिक रन और 10 से अधिक विकेट लेने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। हार्दिक को टी20 फॉर्मेट काफी पसंद है, और यह टूनार्मेंट उनके लिए एक सुनहरा मौका है कि वह टी20 वर्ल्ड कप टीम में अपनी जगह को लेकर चल रही सभी शंकाओं को खत्म कर सकें।

हार्दिक पांड्या यूएई के खिलाफ होने वाले पहले ही मुकाबले में अपना बल्ला चला सकते हैं, हालांकि वह बैटिंग क्रम में थोड़ा नीचे खेलते हैं। अगर उनकी बैटिंग आती है, तो ये 17 रन पहले ही मुकाबले में वह बना डालेंगे।

हार्दिक पांड्या बना सकते हैं डबल रिकॉर्ड

इसके अलावा छक्कों का भी एक रिकॉर्ड हार्दिक पांड्या के सामने है, वह अपने 100 टी20 इंटरनेशनल छक्के पूरे करने से महज 5 हवाई शॉट दूर हैं। 5 छक्के जड़ते ही वह कुल 100 सिक्स का आंकड़ा प्राप्त कर लेंगे। इसके अलावा हार्दिक पांड्या टी20 इंटरनेशनल में भी 100 विकेट लेने का आंकड़ा हासिल करने में महज 6 विकेट दूर हैं, इस समय उनके नाम 94 विकेट हैं।

हार्दिक पांड्या ने CISF जवान को किया ऐसा इशारा, पल भर में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

हार्दिक पांड्या भारतीय टीम के साथ यूएई में खेलने वाले हैं और वह मुंबई से यूएई के लिए निकल गए हैं। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हार्दिक पांड्या ने अपनी फ्लाईट पकड़ी लेकिन CISF जवान के लिए उनका एक संकेत सोशल मीडिया पर जमकर छा गया।

जब वह अपनी कार से एयरपोर्ट की तरफ बढ़े थे, पेपराजी ने कुछ फोटो का निवेदन किया और पांड्या ने उन सभी को निराश नहीं करते हुए पीछे मुड़कर कुछ फोटो दिए। इसके बाद वह एयरपोर्ट के अंदर जाने के लिए सुरक्षा के लिए तैनात CISF जवान के पास जाते हैं।

जब जवान के पास से वह अंदर एंट्री के लिए जाते हैं, तो झुककर सम्मान प्रकट करते हैं और उस जवान को हैलो भी बोलते हैं।

'मुझे लोग बुढ़िया कहते हैं', 51 साल की मलाइका अरोड़ा का छलका दर्द, सरेआम हुई ऐसी हालत

(जीएनएस)।

51 साल की मलाइका अरोड़ा ने जब से एक्टर अर्जुन कपूर से ब्रेकअप किया है तब से वह खबरों में छाई हुई हैं। कई लोगों ने जहां इस ब्रेकअप के पीछे की वजह अर्जुन कपूर को बताया है, वहीं कुछ लोग मलाइके की बढ़ती उम्र को भी इसका एक बड़ा कारण मानते हैं।

मलाइका अरोड़ा-अर्जुन कपूर का ब्रेकअप

आपको बता दें कि पहले पति अरबाज खान को तलाक देने के बाद से मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ ही रह रही थीं। अर्जुन कपूर अपनी लेडी लव मलाइका अरोड़ा से करीब 12 साल छोटे थे।

मलाइका अरोड़ा-अरबाज खान का तलाक

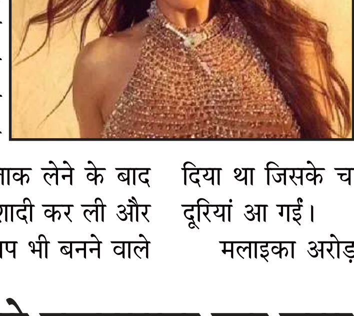

कहा जाता है कि अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा लिव इन में रहने लगे थे जबकि एक्ट्रेस के एक्स हसबैंड अरबाज खान ने तलाक लेने के बाद शूरा खान से दूसरी शादी कर ली और अब वह जल्द ही बाप भी बनने वाले हैं।

वहीं दूसरी तरफ मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का ब्रेकअप हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मलाइका भी अर्जुन के साथ शादी करके सेटल होना चहती थीं लेकिन एक्टर ने ऐसा करने से मना कर दिया था जिसके चलते दोनों के बीच दूरियां आ गईं।

मलाइका अरोड़ा ने खोले पर्सनल लाइफ के राज

एक हालिया इंटरव्यू में मलाइका अरोड़ा ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई सारी बातें लोगों के सामने रखी हैं। मलाइका ने इस इंटरव्यू में अपनी बढ़ती उम्र से लेकर बहन अमृता अरोड़ा से अपने कनेक्शन पर भी बातें की हैं।

-पिंकविला से बात करते हुए मलाइका अरोड़ा ने कहा- मैं ऐसी थी कि अमृता के साथ रहना है, उसके साथ घूमना है, उसका ध्यान रखना है। ऑटोमैटिकली सबको लगने लगा कि मैं मेरी बहन के लिए सरोगेट मदर जैसी थी।

-मलाइका अरोड़ा ने आगे कहा- हां मैं काफी टॉम बॉय टाइप की थी मतलब बिल्डिंग के जो बच्चे भी थे उनके लिए हमेशा खड़े होना, उनका ध्यान रखना ये सब करती थी। कोई उनको बुली करे या कुछ झगड़ा-लड़ाई हो जाए वहां पर तो मैं हमेशा उनके बीच आती थी।

-मलाइका अरोड़ा ने कहा- ये शायद इसलिए था कि मैं एक टफ पर्सन के तौर पर जानी जाने लगी थी। इसके बाद मलाइका अरोड़ा ने इमोशनल होते हुए कहा- मुझे अक्सर सोशल मीडिया पर बुढ़िया कह कर ट्रोल किया जाता है जो कभी-कभी ट्रिगर कर जाता है।

सिर्फ यूट्यूब से हर महीने लाखों की कमाई, कितनी है विकास दिव्यकीर्ति की नेटवर्थ?

(जीएनएस)।

हर साल 5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षा और शिक्षकों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर हम उन शिक्षकों को याद करते हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, ईमानदारी और ज्ञान से समाज और छात्रों का जीवन बदला है।

शिक्षक दिवस के मौके पर आज हम बात कर रहे हैं ऐसे शिक्षक की, जिनका नाम सिविल सेवा की तैयारी करने वाले हर छात्र की जुबान पर है। आज के दौर में अगर कोई शिक्षक छात्रों के बीच बेहद लोकप्रिय है, तो उनमें डॉ. विकास दिव्यकीर्ति का नाम सबसे आगे आता है। डॉ. विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कोचिंग इंस्टीट्यूट दृष्टि क्अर के जरिए लाखों छात्रों को सफलता की राह दिखाई है।

उन्होंने न सिर्फ छात्रों को पढ़ाया बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और जीवन जीने का तरीका भी सिखाया। यही वजह है कि उनकी लोकप्रियता देशभर में तेजी से बढ़ी है। साथ ही उनकी कमाई और नेट वर्थ भी चर्चा में रहती है।

नेट वर्थ को लेकर अलग-अलग दावे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉ. दिव्यकीर्ति की कुल संपत्ति को लेकर अलग-अलग आंकड़े सामने आते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में उनकी नेट वर्थ लगभग 200 करोड़ रुपये बताई गई है। वहीं कुछ जगह इसे 25 करोड़ रुपये तक बताया गया है। इनके अलावा, यूट्यूब से होने वाली कमाई को लेकर भी कई अनुमान लगाए जाते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हर महीने वो यूट्यूब के माध्यम से लाखों रुपये कमाते हैं और साथ ही कोचिंग सेंटर से भी उनकी अच्छी कमाई होती है। उनकी सालाना आया करोड़ों में बताई जाती है। प्रभात खबर की एक रिपोर्ट के अनुसार विकास दिव्यकीर्ति हर महीने यूट्यूब से 10 से 20 लाख तक कमाते हैं।

दृष्टि IAS से सफलता

डॉ. दिव्यकीर्ति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की नौकरी छोड़कर छात्रों के लिए कोचिंग शुरू की। आज दृष्टि क्अर देशभर में वढरउ तैयारी के सबसे भरोसेमंद नामों में गिना जाता है। दिल्ली समेत कई शहरों में इसके सेंटर हैं और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से भी लाखों विद्यार्थी जुड़े हुए हैं।

शिक्षक दिवस पर प्रेरणा

डॉ. विकास दिव्यकीर्ति का जीवन यह संदेश देता है कि एक सच्चा शिक्षक केवल पढ़ाई नहीं कराता, बल्कि छात्रों को जीवन के हर पहलू के लिए तैयार करता है। शिक्षक दिवस पर उनका सफर हमें यह सिखाता है कि मेहनत और ईमानदारी से न सिर्फ विद्यार्थियों का भविष्य बनाया जा सकता है, बल्कि खुद भी बड़ी ऊंचाईयों तक पहुंचा जा सकता है।

अगर अमेरिका छोड़ दे साथ तो इजरायल का क्या होगा?

'जरा सोचिए... अगर दुनिया की सबसे ताकतवर ताकत - अमेरिका... अचानक इजरायल का साथ छोड़ दे... तो क्या होगा? वो इजरायल, जो गाजा की मासूम आबादी पर बम बरसाता है... जिसके पीछे हमेशा वॉशिंगटन का हाथ रहा है... अगर उसी हाथ ने अपनी पकड़ ढीली कर दी... तो क्या इजरायल टिक पाएगा?

या फिर फि लिस्तीन के हक में पूरी दुनिया खड़ी हो जाएगी? आज हम आपको दिखाएंगे वो सच... जिसे इजरायल कभी मानना नहीं चाहता...और अमेरिका कभी दिखाना नहीं चाहता....

पश्चिम एशिया के एक छोटे से देश इजरायल को दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्कों में से एक बताया जाता है...लेकिन क्या इजरायल वाकई इतना ताकतवर है या फिर वो किसी दूसरे देश के बल पर इतने घमंड में हैं...जी हाँ सच्चाई यही है कि इजरायल अमेरिका के बगैर कुछ भी.... अमेरिका हर साल इजरायल को लगभग 3.8 बिलियन डॉलर की सैन्य सहायता देता है। इस मदद से इजरायल के पास है दुनिया का सबसे मजबूत मिसाइल डिफेंस सिस्टम 'आयरन डोम'। अगर मदद बंद हो गई...तो इजरायल को न सिर्फ. हथियारों की कमी होगी बल्कि तकनीकी बढ़त भी खोनी पड़ेगी। हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों के हमलों से निपटना और मुश्किल हो जाएगा। फिलहाल इजरायल हूती लड़ाकों के साथ नई जंग में है..हूती लगातार ड्रोन और क्रूज मिसाइल इस्तेमाल कर रहे हैं, जो यमन से सैकड़ों किलोमीटर दूर तक वार कर सकती हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल ने माल लदान के क्षेत्र में अगस्त 2025 में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल ने अगस्त 2025 के दौरान माल लदान के क्षेत्र में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर इस अवधि में माल लदान में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की है।

अगस्त 2025 के दौरान, मंडल ने प्रतिदिन 2999.7 वैगनों का रिकॉर्ड औसत हासिल किया, जो अगस्त 2024 में दर्ज 2453.9 वैगनों की तुलना में 22.24% अधिक है। यह उपलब्धि अगस्त 2022 में स्थापित 2980.13 वैगन प्रतिदिन के पिछले सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्तर को भी पार कर गई।

अहमदाबाद मण्डल द्वारा अगस्त महीने में पिछले साल की तुलना में लगभग एक मिलियन टन से अधिक की लोडिंग की गई है। यह भारतीय रेलवे में किसी भी मण्डल द्वारा की गई लोडिंग में सर्वाधिक है। कुल माल ढुलाई के संदर्भ में, मंडल ने 4.54

मिलियन टन (एमटी) माल का संचालन किया, जो अगस्त 2024 की तुलना में 25.83% की मजबूत वृद्धि दर्शाता है, जब 3.61 एमटी माल लदान दर्ज किया गया था।

कमोडिटी वाइज लोडिंग में उर्वरक (फर्टिलाइजर) लदान में उल्लेखनीय 128.55% की वृद्धि के साथ सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद नमक (औद्योगिक नमक सहित) में 68.87%, ऑटोमोबाइल में 39.63%, कंटेनरों में 6.95% और पीओएल (पेट्रोलियम) में 1.46% की वृद्धि दर्ज की गई।

डिवीजन ने दैनिक इंटरचेंज में भी एक नया मानदंड स्थापित किया, प्रतिदिन 213.69 ट्रेनों का सर्वकालिक उच्चतम औसत प्राप्त किया, जिसने दिसंबर 2023 में स्थापित 208.74 ट्रेनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

डिवीजन की व्यवसाय विकास इकाई (बीडीयू) द्वारा सक्रिय व्यवसाय विकास पहलों ने इन उपलब्धियों में और योगदान दिया। गांधीधाम क्षेत्र में, 9 अगस्त 2025 को सनोसरा गुड्स शेड से दहेज (वडोदरा डिवीजन) तक पहली बार औद्योगिक नमक रेक लोड किया गया। अहमदाबाद क्षेत्र में, 30 अगस्त 2025 को विरोचन नगर से मुद्रा पोर्ट तक पहली बार एक्सपोर्ट कंटेनर रेक लोड किया गया।

सात ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए सात ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैं:

1. 03 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12216 बांद्रा टर्मिनस–दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट गरीब रथ एक्सप्रेस महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 20:42 बजे महेसाणा स्टेशन पहुँचेगी और 20:44 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 04 सितंबर, 2025 को दिल्ली सराय रोहिल्ला से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12215 दिल्ली सराय रोहिल्ला–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट गरीब रथ एक्सप्रेस महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 22:05 बजे महेसाणा स्टेशन पहुँचेगी और 22:07 बजे प्रस्थान करेगी।

2. 08 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22915 बांद्रा टर्मिनस–हिसार सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) सिद्धपुर स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन सिद्धपुर स्टेशन पर 21:23 बजे पहुंचेगी और 21:25 बजे प्रस्थान करेगी।

3. 8 सितंबर, 2025 को गांधीधाम से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20935 गांधीधाम–इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) सामाखॅ याली स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 19:10 बजे सामाखॅ याली स्टेशन पहुँचेगी और 19:12 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 7 सितंबर, 2025 को इंदौर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20936 इंदौर–गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) सामाखॅ याली स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 12:40 बजे सामाखॅ याली स्टेशन पहुँचेगी और 12:42 बजे प्रस्थान करेगी।

4. 06 सितंबर, 2025 को इंदौर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 14802 इंदौर–जोधपुर एक्सप्रेस गौतमपुरा रोड स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन गौतमपुरा रोड स्टेशन पर 05:17 बजे पहुँचेगी और 05:19 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 05 सितंबर, 2025 को जोधपुर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 14801 जोधपुर–इंदौर एक्सप्रेस गौतमपुरा रोड स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन गौतमपुरा रोड स्टेशन पर रात 21:50 बजे पहुँचेगी और 21:52 बजे प्रस्थान करेगी।

5. 7 सितंबर, 2025 को बेंगलुरु से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16534 बेंगलुरुझ्भगत की कोठी एक्सप्रेस (साप्ताहिक) महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन महेसाणा स्टेशन पर 06:50 बजे पहुँचेगी और 06:52 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 10 सितंबर, 2025 को भगत की कोठी से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16533 भगत की कोठीझ्बेंगलुरु एक्सप्रेस (साप्ताहिक) महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन महेसाणा स्टेशन पर 12:22 बजे पहुँचेगी और 12:24 बजे प्रस्थान करेगी।

6. 06 सितंबर, 2025 को तिरुवनंतपुरम से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16312 तिरुवनंतपुरमझ्श्री गंगानगर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन महेसाणा स्टेशन पर 08:38 बजे पहुँचेगी और 08:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 09 सितंबर, 2025 को श्री गंगानगर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 16311 श्री गंगानगरझ्तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस (साप्ताहिक) महेसाणा स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन महेसाणा स्टेशन पर 05:45 बजे पहुँचेगी और 05:47 बजे प्रस्थान करेगी।

7. 04 सितंबर, 2025 को बरेली से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 14311 बरेलीझ्भुज आला हजरत एक्सप्रेस (त्रि–साप्ताहिक) मालिया मियाना स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन मालिया मियाना स्टेशन पर 06:43 बजे पहुंचेगी और 06:45 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच रविवार,07 सितम्बर, 2025 को जम्बो ब्लॉक

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग तथा ओवर हेड उपस्करों के रख–रखाव हेतु रविवार, 07 सितम्बर, 2025 को सांताक्रुज एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच 10.00 बजे से 15.00 बजे तक अप तथा डाउन फास्ट लाइनों पर पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ब्लॉक अवधि के दौरान सभी फास्ट लाइन की उपनगरीय ट्रेनों को गोरेगांव एवं सांताक्रुज स्टेशनों के बीच धीमी लाइन पर चलाया जायेगा।

ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी और कुछ अंधेरी एवं बोरीवली ट्रेनों को गोरेगाँव तक हार्बर लाइन पर चलाया जाएगा।

इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी सभी स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

लॉरेंस बिश्नोई ने कराया गैंगवार? सरेआम चली गोलियां, किस गैंग पर हुआ हमला?

(जीएनएस)। लिस्बन में हाल ही में हुए एक गैंगवार में भारतीय गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम आ रहा है। पुर्तगाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस गैंगवार में इंटरनेशनल दखल तब सामने आया जब कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े और ठक्क्ष द्वारा फरार गैंगस्टर रणदीप मलिक ने दूसरे गिरोह के रोमी और प्रिंस के ठिकाने पर हमले का दावा किया।

गोलीबारी के बाद किया पोस्ट

रणदीप मलिक ने फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए से बताया कि पुर्तगाल के ओडिवेलस, लिस्बन में हुई गोलीबारी उसी ने और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने करवाई थी। मलिक ने रोमी और प्रिंस गिरोह को अपना काम बंद करने की चेतावनी दी है। उसने पोस्ट में लिखा, "जय श्री राम, सत श्री अकाल... पुर्तगाल के ओडिवेलस, लिस्बन में आज हुई गोलीबारी मैंने, रणदीप मलिक और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने करवाई है। पुर्तगाल में अवैध काम कर रहे रोमी और प्रिंस को अपना काम बंद कर देना चाहिए।"

'नहीं माने तो हो जाएंगे RIP'

मलिक ने यह भी चेतावनी दी कि यदि उनकी धमकी को नजरअंदाज किया गया तो अंजाम खतरनाक होंगे। उसने अपनी पोस्ट में कुछ नामों का भी उल्लेख किया, जैसे, "RIP अंकित भादू शेरेवाला, जितेंद्र गोगी, गोल्डी ढिल्लों, काला राणा, अरजू बिश्नोई, शुभम लोनकर, साहिल दुहान हिसार।" क्राइम के एक्सपर्ट्स की माने तो, लॉरेंस गैंग ने 2024 और 2025 में विदेशी धरती पर कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है, और वह दोबारा ऐसा कर सकता है।

कपिल शर्मा भी रडार पर

कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर दो गोलीबारी की घटनाएं, कबड्डी के नेशनल खिलाड़ी सोनू नोलटा की हत्या और कनाडाई गैंगस्टर सुक्खा दुनिके की हत्या के तार भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े थे। रणदीप मलिक, जो कि NIA की वॉन्टेड लिस्ट में है, माना जा रहा है कि पुर्तगाल की गोलीबारी में उसका हाथ था। उसे पिछले महीने अमेरिकी माइग्रेशन डिपार्टमेंट ने हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में रिहा कर दिया गया।

NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, मलिक का संबंध नवंबर 2024 के एक बड़े मामले से भी है, जिसमें चंडीगढ़ के लोकप्रिय क्लबों – सिंगर और रैपर बादशाह के 'सेविले बार एंड लाउंज' और स्थानीय व्यापारियों के 'डी ओरा क्लब' के बाहर दो विस्फोट हुए थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय गैंगस्टर अब अपनी गतिविधियों को केवल भारत तक सीमित नहीं रख रहे हैं, बल्कि इंटरनेशनल लेवर पर अपने नेटवर्क के जरिए से दबदबा दिखाने और दूसरे गैंगस्टर को मारने में सक्रिय हैं।

विदेश में लॉरेंस का दबदबा

स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बल ऐसे अपराधों को नियंत्रित करने में बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिससे विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का संबंध पंजाबी गायकों गिप्पी ग्रेवाल और एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घरों पर गोलीबारी और आगजनी की घटनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। कैलिफोर्निया में ड्रग लॉर्ड सुनील यादव की हत्या के तार भी लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग से जुड़े थे।

कौन हैं कंचना यादव? तेजस्वी यादव से क्या है कनेक्शन, बिहार चुनाव में बनीं सुर्खियों का चेहरा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का माहौल जैसे–जैसे गरम हो रहा है, वैसे–वैसे नए चेहरे भी राजनीति में सुर्खियां बटोर रहे हैं। इन्हीं में से एक हैं राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की प्रवक्ता कंचना यादव, जो अपने तेजतर्रार जवाबों और बेबाक अंदाज की वजह से लगातार सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। कंचना यादव ने भारतीय टीवी चैनलों और सत्ताधारी पार्टी भाजपा के प्रतिनिधियों पर आरोप लगाया है कि वे जानबूझकर उन्हें डिबेट पैनल से बाहर रखते हैं।

हाल ही में एक टीवी डिबेट में कंचना यादव ने बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला को करारा जवाब देते हुए कहा कि "अखिलेश यादव से डिबेट करने की हैसियत तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी नहीं है। डिबेट तो छोड़िए, वो प्रेस कॉन्फ्रेंस भी नहीं कर पाते।" इन्ही बयानों के बाद से कंचना यादव सोशल मीडिया पर भी खूब ट्रेंड कर रही हैं। ऐसे में चलिए आपको बताते हैं कि कंचना यादव कौन हैं और कहां की रहने वाली हैं, साथ ही आपको ये भी बताएंगे कि कंचना यादव को तेजस्वी यादव ने राजद का राष्ट्रीय प्रवक्ता क्यों चुना था।

◆ कंचना यादव राष्ट्रीय जनता दल (फ्खऊ) की राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। फ्खऊ नेता तेजस्वी यादव ने इन्हें अक्टूबर 2023 प्रवक्ता बनाया था। कंचना यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से आती हैं।

◆ कंचना यादव के दादा सरकारी नौकरी में थे, जबकि पिता ने मुंबई में निजी क्षेत्रमें काम किया है। यानी वह एक मध्यमवर्गीय और पढ़े–लिखे परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

◆ कंचना यादव केवल राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शिक्षा और शोध की दुनिया में भी उन्होंने गहरी पकड़ बनाई है। उन्होंने JNU (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) से जूलॉजी में टूर करते समय उरक्क्ष फेलोशिप हासिल की। आज वह एक सीनियर फेलो और शोधकर्ता हैं, जो कैंसर पर रिसर्च कर रही हैं।

◆ कंचना यादव ने अपने बॉयो में लिखा है कि वो एक डेटा साइंस और कैंसर पर मशीन लर्निंग में PhD कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बतौर सीनियर फेलो CSIR, कंचना यादव को अपने शोध कार्य के लिए हर महीने ₹42,000 की फेलोशिप मिलती है।

कंचना यादव कहती हैं कि उन्हें लालू प्रसाद यादव की राजनीति–सामाजिक न्याय और सेक्युलरिज्म में गहरा विश्वास है। उनका मानना है कि बिहार की राजनीति में तेजस्वी यादव नई पीढ़ी के नेता हैं, जो बदलाव की राजनीति कर रहे हैं।

पंजाब की बाढ़ में नहीं पहुंची सरकारी मदद, ये 'बॉलीवुड हीरो' बना मसीहा!

(जीएनएस)।

पंजाब में बाढ़ से मचे कोहराम के बीच सरकार की बेरुखी के बीच अभिनेता रणदीप हुड्डा गुरदासपुर में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आए हैं। पिछले कुछ हफ्तों से पंजाब विनाशकारी बाढ़ की चपेट में है, जिससे राज्य के कई गांवों में हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं।

मदद करने पहुंचे रणदीप हुडा

पंजाब सरकार के आंकड़ों की मानें तो, प्रभावित क्षेत्रों में गुरदासपुर राज्य का सबसे अधिक प्रभावित शहर है। अभिनेता रणदीप हुड्डा, जो पिछले 10 साल से ग्लोबल सिख एनजीओ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह और उनके दोस्त मनिंदर सिंह से जुड़े हुए हैं, गुरदासपुर में बाढ़ प्रभावित समुदायों को राहत पहुंचाने के लिए एक साथ आए हैं, जैसा कि अभिनेता की टीम द्वारा साझा किए गए प्रेस नोट में बताया गया है।

खुद मदद करने पहुंचे हुडा

ग्लोबल सिख एनजीओ के स्वयंसेवकों की मदद से राहत सामग्री बांटी की जा रही है, और पीढ़ित परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ग्लोबल सिख एनजीओ की एक पोस्ट

फिर से साझा की है, जिसमें वह पंजाब में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करते दिख रहे हैं।

पंजाब के लिए खड़े हैं– हुडा

एनजीओ ने अपनी इस सहभागिता की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "पंजाब बाढ़ राहत 2025। अपनी भावना के अनुरूप, रणदीप हुड्डा एक बार फिर पंजाब के लिए खड़े हुए हैं। वह ग्लोबल सिख्स के साथ जमीनी स्तर पर हैं,चल रही बाढ़ राहत की कोशिशों में अपना समर्थन दे रहे हैं। साथ मिलकर, हम उम्मीद और मदद पहुंचाना जारी रखते हैं, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।"

1655 गांव डूबे

पंजाब सरकार के अनुसार, लगभग 1,655 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें गुरदासपुर सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जहां 324 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके बाद फिरोजपुर (111), अमृतसर (190), होशियारपुर (121), कपूरथला (123) और संगरूर (107) के गांव भी बाढ़ से काफी प्रभावित हुए हैं।

पंजाब सरकार ने बताया कि लगभग 1,75,216 हेक्टेयर कुल भूमि प्रभावित हुई है। गुरदासपुर में भारी बारिश के कारण 40,169 हेक्टेयर फसल भूमि प्रभावित हुई। इसके अतिरिक्त, मानसा (24967), संगरूर (6560), फाजिल्का (17786) और कपूरथला (3000) में भी फसल भूमि प्रभावित हुई।

हालांकि, एसएएस नगर (13), एसबीएस नगर (44), मोगा (29), रूपनगर (05) और पटियाला (53) के गांव बाढ़ से सबसे कम प्रभावित हुए। जबकि मलेरकोटला (32) में बाढ़ के कारण कम हेक्टेयर फसल भूमि प्रभावित हुई।

हजारों लोगों को किया रेस्क्यू

इसके अलावा, लोगों के रेस्क्यू करने के बारे में अधिकारियों ने बताया, कुल 19,474 लोगों को निकाला गया है, जिसमें अमृतसर (2734) और गुरदासपुर (5581) में सबसे अधिक लोग बचाए गए हैं।

महाराष्ट्र के प्राइवेट सेक्टर में क्या बढ़ा दिया जाएगा काम के घंटे?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए बड़ी खबर सामने आई है, जल्द ही उनके दैनिक कार्य के घंटों में बढ़ोत्तरी हो सकती है। प्राइवेट सेक्ॅटर में काम करने वाले कर्मचारियों को पहले से अधिक घंटे काम करना पड़ेगा।

दरअसल, महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने (4 सितंबर, 2025 (बुधवार) को निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए अधिकतम दैनिक कार्य घंटों को नौ से बढ़ाकर 10 घंटे करने वाले कानूनों में संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, रोजगार सृजित करना और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में सेंट्रल टास्क फोर्स द्वारा अनुशंसित परिवर्तनों को मंजूरी दी गई। इन परिवर्तनों के साथ, महाराष्ट्र अब कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा जैसे राज्यों की श्रेणी में आ गया है, जहां पहले ही ऐसे सुधार लागू किए जा चुके हैं।

इस परिवर्तन का क्ॅ या है उद्देश्य?

ये संशोधन कारखाना अधिनियम, 1948 और महाराष्ट्र दुकानें और स्थापना (रोजगार और सेवा शर्तों का

विनियमन) अधिनियम, 2017 में किए जाएंगे। इनका उद्देश्य पीक डिमांड या श्रम की कमी के दौरान उद्योगों को बिना किसी बाधा के कार्य करने में सक्षम बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना भी है कि श्रमिकों को उचित ओवरटाइम मुआवजा मिले।

कितने घंटे बढ़ा दिए जाएंगे संशोधनों के तहत, उद्योगों में दैनिक कार्य घंटों की सीमा नौ से बढ़कर 12 घंटे हो जाएगी। वहीं, आराम का ब्रेक अब पांच घंटे के बजाय छह घंटे के बाद दिया जा सकेगा। कानूनी ओवरटाइम कैप भी प्रति तिमाही 115 से बढ़कर 144 घंटे हो जाएगी, जिसके लिए श्रमिकों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी। साप्ताहिक कार्य घंटे भी 10.5 घंटे से बढ़कर 12 घंटे हो जाएंगे।

इसी प्रकार, संशोधित दुकान और स्थापना अधिनियम के तहत, दैनिक कार्य घंटे नौ से बढ़कर 10 हो जाएंगे, ओवरटाइम की सीमा 125 से बढ़कर 144 घंटे हो जाएगी, और आपातकालीन ड्यूटी के घंटे 12 तक बढ़ाए जाएंगे। ये परिवर्तन 20 या अधिक श्रमिकों वाली प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे।

ओवरटाइम के लिए दोगुना भुगतान

20 से कम श्रमिकों वाली प्रतिष्ठानों को अब रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि उन्हें एक साधारण सूचना प्रक्रिया के माध्यम से अधिकारियों को सूचित करना होगा। सरकार का मानना है कि यह कदम व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देगा, नया निवेश आकर्षित करेगा और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। साथ ही, यह ओवरटाइम के लिए दोगुना भुगतान सहित श्रमिकों के लिए वेतन सुरक्षा और बेहतर अधिकारों को सुनिश्चित करेगा। राज्य के श्रम विभाग ने पिछले सप्ताह यह प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया था।

विभाग ने तर्क दिया है कि प्रस्तावित परिवर्तन विशेष रूप से महिलाओं के लिए अधिक आरामदायक कार्य वातावरण प्रदान करेंगे और कर्मचारियों तथा नियोक्ताओं दोनों की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं का समाधान करेंगे।

लाइव टीवी पर हाथ जोड़कर रोये हरभजन सिंह, पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए शुरू की दिल जीतने वाली मुहिम

(जीएनएस)।

पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। कई गांव पानी में डूब गए हैं। इसे देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह का दिल पसीज गया और वह लाइव टीवी पर बातचीत करते हुए रोने लग गए। हरभजन सिंह ने लोगों से एक भावुक अपील भी की है और खुद मदद करने के लिए आगे आए हैं।

एनडीटीवी से बातचीत में हरभजन सिंह भावुक हो गए। भज्जी की तरह मीका सिंह भी मदद के लिए आए आए हैं। हरभजन सिंह ने कहा कि एक ही चीज सोच रहा हूं कि मैं जल्दी वहां जाकर मदद के लिए जुड़ना चाहता हूं। मां का ऑपरेशन होने के कारण मैं पंजाब में नहीं हूं।

भज्जी ने कहा कि मैं एक–दो दिन में ओने भाइयों के पास पहुँच जाऊँगा। लोगों के घरों में आठ–आठ फीट पानी है। लोग घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ट्रेक्टर के टायर पूरे पानी में डूब रहे हैं। लोग कितने मासूम हैं कि वे सोच रहे हैं कि घर छोड़ने से चोरी हो जाएगी।

रोते हुए हरभजन सिंह ने हाथ जोड़ पंजाब के साथ खड़े होकर सपोर्ट करने की अपील की। उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

इस बीच हरभजन सिंह ने खुद एक मुहिम शुरू की है। उन्होंने 'तेरा तेरा फाउंडेशन' को सपोर्ट करने की अपील की और सोशल मीडिया पर क्यूआर कॉड पोस्ट करते हुए लोगों से समर्थन करने का निवेदन किया। उन्होंने लिखा कि यह समय पंजाब के साथ खड़े होने का है। हमारे भाई–बहन मदद के मोहताज हैं, और यह हमारी साझा जिम्मेदारी है कि हम उनका साथ दें। मिलकर हम पंजाब को फिर से बना सकते हैं, सुधार सकते हैं और उम्मीदें वापस ला सकते हैं। मैं आप सभी से विनम्र निवेदन करता हूँ कि कृपया आगे आएं और अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव मदद करें।

गौरतलब है कि इस त्रासदी में पंजाब में 37 लोगों की मृत्यु होने की खबरें हैं। हजारों पशू बाढ़ में बह गए और अलग–अलग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ठअक्र और रअक्रके अलावा आर्मी भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है। हरभजन सिंह खुद भी वहां थे और सपोर्ट करते हुए दिखाई भी दिए थे, किसी काम से वह पंजाब से बाहर चले गए लेकिन अब फिर से वहां जाकर लोगों के साथ जुड़ेंगे।

एबीवीपी कार्यकताओं पर लाठीचार्ज मामले में 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड, सीएम योगी को रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद हुई कार्रवाई

(जीएनएस)।

लखनऊ। बाराबंकी में श्रीराम स्वरूप विश्वविद्यालय के छात्रों व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकताओं पर पुलिस के लाठियां चलाने के मामले में आईजी अयोध्या रेंज प्रवीण कुमार ने अंतरिम जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है।

रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में श्रीराम स्वरूप विवि के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किए जाने के साथ ही चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। इनमें चौकी प्रभारी गजेन्द्र विक्रम सिंह, मुख्य आरक्षी पवन यादव, सौरभ सिंह व सिपाही विनोद यादव शामिल हैं। चारों पुलिसकर्मी एक वीडियो फुटेज में छात्रों पर लाठियां चलाते नजर आ रहे हैं। इसी आधार पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है।

घटना के बाद सीओ सिटी हर्षित चौहान को पद से हटा दिया गया था। जबकि कोतवाली प्रभारी सुधीर सिंह व चौकी प्रभारी गजेन्द्र विक्रम सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया था। सीओ सिटी व शहर कोतवाली प्रभारी की भूमिका समेत अन्य बिंदुओं पर आइजी की जांच अभी जारी है।

आईजी जल्द अपनी विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौपेंगे। श्रीराम स्वरूप विश्वविद्यालय के छात्रों ने एबीवीपी कार्यकताओं के साथ मिलकर सोमवार को बिना मान्यता के एलएलबी की पढ़ाई कराने जाने के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्र उग्र हो गए थे और पुलिस ने लाठीचार्ज कर स्थिति को संभाला था। आंदोलित छात्रों ने पुलिस चौकी में तोड़फोड़ भी की थी।

मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त व आइजी अयोध्या रेंज को जांच का निर्देश दिया था। आईजी को पुलिस की भूमिका की पड़ताल सौंपी गई थी। आइजी ने बुधवार रात अपनी अंतरिम रिपोर्ट शासन को सौंपी थी, जिसके बाद बाराबंकी कोतवाली में श्रीराम स्वरूप विवि के विरुद्ध बिना मान्यता विधि पाठ्यक्रम संचालित किए जाने को लेकर एफआईआर दर्ज की गई।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

ई-निविदा सूचना संख्या-DYCE-BR-BRC-15R-2025-26

ROB का पुनरुद्धार

निविदा संख्या: DYCE-BR-BRC-15R-2025-26

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन) वडोदरा, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम:- "NAD-UJN-BPL खंड:- रतलाम मंडल के SSE BR UJN के अधिकार क्षेत्र में ROB 104 C और विभिन्न अन्य ROBs का पुनरुद्धार (पुनः आमंत्रित-1)।"

कार्य की अनुमानित लागत (रु. में): रु. 2,05,47,739.23

जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा राशि (रु. में): ₹ 2,52,700.00

ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तिथि और समय: ऑनलाइन निविदा 26.09.2025 को 15.00 बजे से पहले जमा की जानी है और उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।

वेबसाइट विवरण और स्थान की सूचना जहाँ पूरा विवरण देखा जा सकता है आदि: उप मुख्य अभियंता (ब्रिज लाइन) वडोदरा पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-4

वेबसाइट @ www.ireps.gov.in

BRC169

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

सीएम योगी बोले, 2047 तक यूपी बनेगा विकसित प्रदेश, बीते आठ वर्षों में उत्साह में बदली निराशा

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता का आह्वान करते हुए कहा कि भारत और यूपी का भविष्य कैसा हो, यह हमें तय करना है। हमें अपने युवाओं को तैयार करना है, क्योंकि हम जिस मनोदशा में जिएंगे, उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमें कैसा भारत और उत्तर प्रदेश चाहिए, यह हमारे विजन में होना चाहिए। सीएम योगी लोक भवन सभागार में "समर्थ उत्तर प्रदेश झ्र विकसित उत्तर प्रदेश @2047" अभियान के शुभारंभ के अवसर पर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'समर्थ उत्तर प्रदेश' पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल प्रदेशवासियों को अपने सुझाव देने का मंच प्रदान करेगा, जो 12 प्रमुख सेक्टरों- कृषि, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी-टेक्नोलॉजी, पर्यटन, नगर व ग्राम्य विकास, आधारभूत संरचना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा व सुशासन- पर केंद्रित विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनेंगे।

विजन डॉक्यूमेंट "अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति" थीम पर आधारित है। कार्यशाला में प्रशासन, पुलिस, वन सेवा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों से सेवानिवृत्त 400 से अधिक अधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि "विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेशह्न शताब्दी संकल्प अभियान के क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। इस अभियान में 25 करोड़ जनता को भागीदार बनाना है। आप सभी प्रबुद्धजनों का सहयोग युवाओं को जागरूक करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। रिटायर्ड होने का मतलब टायर्ड होना नहीं है। आपका अनुभव इस अभियान को गति देगा।

16वीं-17वीं शताब्दी में भारत वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा रखता था भारत

उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि 16वीं-17वीं शताब्दी में भारत वैश्विक जीडीपी में 25% हिस्सा रखता था, जो 1947 तक 2% रह गया। 2014 में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था था, लेकिन आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरी बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। अगर यही गति रही, तो 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य संभव है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने देश के आम नागरिकों के हित में अनेक वस्तुओं एवं सेवाओं की टैक्स दरों में भारी कटौती करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने देश के आम नागरिकों के हित में अनेक वस्तुओं एवं सेवाओं की टैक्स दरों में भारी कटौती करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया
- जीएसटी दरों में बदलाव से आम नागरिकों के जीवन स्तर और सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि होगी : वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई
- दिल्ली में हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिए गए

गांधीनगर, 04 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दैनिक जीवन की विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर लगने वाली जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरों में भारी कटौती करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का गुजरात की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कुछ दिनों पहले ही स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में लाल किले से नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी लाकर नागरिकों के जीवन और भी आसान बनाने तथा अर्थव्यवस्था को गति देने का वादा किया था। जीएसटी दरों में कटौती के जरिए उन्होंने इस वादे को कुछ ही दिनों के भीतर पूरा कर देशवासियों को सुखमय जीवन की सौगात दी है।

उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक सुधारों से करोड़ों मध्यम वर्ग के परिवारों, किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को फायदा होगा। इससे नागरिक का दैनिक जीवन अधिक आसान बनेगा और भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति एवं ऊर्जा मिलेगी।

वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में किसानों, आम नागरिकों तथा छोटे एवं मध्यम उद्योगकारों के हित में विभिन्न संरचनात्मक सुधारों, टैक्स की दरों में बदलाव और ईज ऑफ लिविंग सहित तीन मुख्य विषयों को लेकर सिफारिशें की गई थीं। उन्होंने कहा कि टैक्स की दरों में बदलाव होने से मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

नेपाल सरकार ने अचानक फेसबुक, यूट्यूब, वाट्सएप समेत 26 ऐप क्यों अपने देश में कर दिया बैन?

(जीएनएस)।

नेपाल सरकार ने फेसबुक, यूट्यूब और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय संचार, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MoCIT) की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने की। इस प्रतिबंध के दायरे में मेटा के प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, और साथ ही यूट्यूब व एक्स जैसे लोकप्रिय ऐप शामिल हैं।

यह कदम सरकार द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों को नेपाल में पंजीकरण कराने के लिए दिए गए अल्टीमेटम का पालन न करने के बाद उठाया गया है। भद्रा 12 को मंत्रालय ने इन प्लेटफॉर्म्स को पंजीकरण के लिए 7 दिन का समय दिया था, लेकिन कंपनियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अब, भद्रा 19, 2082 से ये अपंजीकृत सोशल नेटवर्क प्रतिबंधित हो गए हैं।

मंत्रालय ने नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (NTA) को इस प्रतिबंध को लागू करने के लिए पत्र भेजा है। ठळअ अब दूरसंचार कंपनियों और इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (ISPs) को निर्देश देगा कि वे उपयोगकताओं की इन सोशल मीडिया ऐप्स तक पहुंच को बाधित करें। यह वही तरीका है जो सरकार ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपनाया था। सोशल नेटवर्क को धीरे-धीरे प्रतिबंधित किया जाएगा।" कई सोशल मीडिया कंपनियों को नेपाल में कर प्रक्रियाओं के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन सरकार ने MoCIT में उनके रजिस्ट्रेशन की मांग की। हालांकि, कंपनियों ने इसके लिए कोई प्रयास नहीं किया। वर्तमान में, टिकटॉक, वाइबर और पॉपो लाइव जैसे कुछ प्लेटफॉर्म ही नेपाल में रजिस्टर्ड हैं। यह प्रतिबंध ऐसे समय में आया है जब मेटा ने हाल ही में नेपाल में फेसबुक मुद्रीकरण की सुविधा शुरू की थी। इस प्रतिबंध से नेपाल में बैंडविड्थ और व्यवसायों पर संभावित प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

कौन से ऐप जिन पर लगाया गया प्रतिबंध?

प्रतिबंधित ऐप्स में फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), लिंक्डइन, स्नैपचैट, रेडिट, डिस्कॉर्ड, पिंटरेस्ट, सिग्नल, थ्रेड्स, वीचैट, कोरा, टम्बलर, क्लबहाउस, मास्टोडॉन, रम्बल, मीवी, वीके, लाइन, आईएमओ, जालो, सोल और हमरो पात्रो शामिल हैं।

यह प्रतिबंध कुछ घंटों या दिनों में पूरी तरह प्रभावी हो सकता है। यदि ऐप्स पहले से इंस्टॉल हैं, तो वे काम करना जारी रख सकते हैं, लेकिन पुनः स्थापित करने पर काम नहीं करेंगे।

पुतिन-किम जोंग समेत 26 देशों के नेता, अमेरिका तक मारक मिसाइलें, 80 हजार कबूतर, ऐसा रहा चीनी परेड का हाल

बीजिंग के तियानआनमेन स्क्वायर में बुधवार को चीन ने विजय दिवस की 80वीं वर्षगांठ को भव्य अंदाज में मनाया। इस मौके पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देशवासियों को संबोधित किया और 80,000 कबूतरों व 80,000 गुब्बारों को आसमान में छोड़कर शांति और समृद्धि का संदेश दिया।

इस अवसर पर विशाल सैन्य परेड का भी आयोजन किया गया जिसमें चीन की ताकत और सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया गया। यह समारोह न केवल चीन के इतिहास को याद करने का प्रयास था, बल्कि वैश्विक स्तर पर उसकी शक्ति और एकता का संदेश भी माना जा रहा है।

चीन ने विजय दिवस (श-उंट) की 80वीं वर्षगांठ बेहद भव्य तरीके से मनाई। राजधानी बीजिंग स्थित तियानआनमेन स्क्वायर में आयोजित इस कार्यक्रम ने इतिहास और वर्तमान को एक साथ जोड़ते हुए राष्ट्रवाद और एकजुटता का अनूठा प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तियानआनमेन स्क्वायर से जनता का अभिवादन किया और 'मदर ऑफ द मदरलैंड' जैसे देशभक्ति गीतों के बीच दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने शांति, विकास और राष्ट्रीय एकता पर जोर देते हुए कहा कि चीन अपने संघर्षपूर्ण इतिहास को कभी नहीं भूलेगा और आगे भी राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करेगा।

क्यों छोड़ा गया कबूत?

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावुक कर देने वाला पहलू वह पल था, जब एक साथ 80,000 सफेद कबूतरों और 80,000 रंग-बिरंगे गुब्बारों को बीजिंग के तियानआनमेन स्क्वायर से आकाश में छोड़ा गया। यह नजारा न केवल देखने वालों के लिए अद्भुत था, बल्कि उसने पूरी दुनिया के सामने एक शांति, एकता और स्वतंत्रता का गहरा संदेश भी दिया। कबूतरों को सदियों से शांति का प्रतीक माना जाता है, वहीं रंग-बिरंगे गुब्बारे नई उम्मीदों और आजादी की उड़ान का संकेत थे।

इस पल ने वहां मौजूद हजारों दर्शकों को भावुक कर दिया और लोगों ने तालियों और नारों के साथ इस दृश्य का स्वागत किया। परेड और समारोह के अन्य पहलुओं के बीच यह क्षण सबसे ज्यादा यादगार रहा, जिसे कैमरों ने कैद कर लिया और जो लंबे समय तक चीन की ऐतिहासिक स्मृतियों का हिस्सा रहेगा।

आर्मी परेड में पहली बार दिखाया हथियारों का जखीरा

चीन ने 3 सितंबर 2025 को अपनी अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड में दुनिया को अपनी आधुनिक सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया। बीजिंग के तियानआनमेन स्क्वायर पर आयोजित इस परेड में ऐसे कई हथियार और तकनीकें पहली बार

2 साल बाद शांति की ओर, कुकी समुदाय नेशनल हाइवे-2 खोलने को हुआ तैयार, कैंपों में जमा होंगे हथियार

(जीएनएस)।

मणिपुर में कुकी और जोमी जनजातियों के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रमुख संगठन ने म्यांमार सीमा से लगे राज्य में जातीय संघर्ष शुरू होने के दो साल बाद राज्य की लाइफलाइन राष्ट्रीय राजमार्ग-02 (NH-02) को यात्रियों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही के लिए खोलने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने मंगलवार को एक बयान में पुष्टि की कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द ही मणिपुर का दौरा करने की प्रबल संभावना के बीच, चुराचांदपुर स्थित कुकी जो काउंसिल (KZC) ने स्वतंत्र आवाजाही की अनुमति देने का आश्वासन दिया है।

गृह मंत्रालय ने दो छत्र संगठनों के साथ विवादास्पद सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SoO) समझौते के नवीनीकरण की भी घोषणा की। ये संगठन मणिपुर में दो दर्जन कुकी, जोमी और हमार विद्रोही समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस समझौते की शर्त यह है कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता को कोई नुकसान नहीं होगा।

कुकी विद्रोही समूहों, केंद्र और राज्य सरकार के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय रङ्गड समझौते में मणिपुर में स्थायी शांति और स्थिरता लाने के लिए एक बातचीत के समाधान की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की गई थी।

SoO समझौता पहली बार औपचारिक रूप से 2008 में हस्ताक्षरित किया गया था। हर साल, एक संयुक्त निगरानी समूह समझौते की समीक्षा करता है और उसके भविष्य का फैसला करता है। मोटे तौर पर, रङ्गड समझौते में कहा गया है कि विद्रोहियों को निर्दिष्ट शिविरों में रहना होगा और उनके हथियार बंद भंडारण में रखे जाएंगे, जिनकी नियमित निगरानी की जाएगी।

दो दर्जन विद्रोही समूह दो छत्र समूहों - कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (KNO) और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (UPF) के तहत आते हैं। ये दोनों समूह, अन्य का प्रतिनिधित्व करते हुए, SoO समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं।

NH-2 पर स्वतंत्र आवाजाही की अनुमति देने का डेउ का निर्णय पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में गृह मंत्रालय के साथ हुई बैठकों की एक श्रृंखला के बाद आया है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि डेउ ने ठल-02 पर शांति बनाए रखने के लिए केंद्र द्वारा तैनात सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है।

सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासाः पाकिस्तान नूर खान एयरबेस पर कर रहा नया निर्माण

(जीएनएस)।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर में भारी नुकसान झेलने के बाद पाकिस्तान, रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस के कुछ हिस्सों को फिर से बना रहा है। मैक्सार टेक्नोलॉजी की नई सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि यहां दीवारें और नींव दोबारा तैयार की जा रही हैं।

यहीं से चीन उड़े थे शरीफ

यह एयरबेस पाकिस्तान वायु सेना की 12 वीआईपी स्क्वाड्रन "बुराक्स" का बेस है। यह स्क्वाड्रन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख जैसे बड़े नेताओं के लिए हवाई यात्रा की व्यवस्था करता है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर यहां से अलग-अलग प्लेन में चीन के तियानजिन शहर में हुए एससीओ सम्मेलन के लिए रवाना हुए।

फिर से बन रहीं दीवारें

जियो-इंटेलिजेंस रिसर्चर डेमियन साइमन ने बताया कि मई 2025 में हुए भारतीय हमले में एयरबेस पर खड़े कुछ स्पेशल सैन्य ट्रक तबाह हो गए थे। ये ट्रक संभवतः कम्यूनिकेशन और कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किए जाते थे। हमले में उनके साथ-साथ पास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा था। बाद में उन इमारतों को गिरा दिया गया और अब उनकी जगह नई दीवारें और ढांचे बनाए जा रहे हैं।

नेता और आर्मी करती है इस्तेमाल

नई तस्वीरों में एयरबेस पर एक बॉम्बार्डियर ग्लोबल 6000 वीवीआईपी जेट और एक सैन्य ट्रांसपोर्ट विमान खड़ा दिखाई दे रहा है। हाल ही में पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने विदेश यात्राओं के लिए इसी ग्लोबल 6000 विमान का इस्तेमाल किया था, क्योंकि उनका नियमित गल्फस्ट्रीम विमान मरम्मत के लिए यूके भेजा गया था।

हमले के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने खुद इसकी पुष्टि की थी कि नूरखान एयरबेस को नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया था कि सेना प्रमुख मुनीर ने उन्हें रात 2:30 बजे फोन कर सूचित किया था कि भारत ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं, जिनमें से एक नूर खान एयरबेस पर गिरी है।

कौन हैं बीजेपी के नेता? जिन्हें बंगाल विधानसभा में ममता के मार्शलों ने घसीटा, 5 सस्पेंड

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में 4 सितंबर 2025 को हंगामा उस वक्त चरम पर पहुंच गया, जब इखढ के चीफ व्हिप शंकर घोष को मार्शलों ने घसीटकर सदन से बाहर निकाला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाषण के दौरान बंगाली प्रवासियों पर अत्याचार के मुद्दे पर चर्चा के बीच इखढ विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के 2 सितंबर को निलंबन का विरोध करते हुए BJP ने सदन में हंगामा मचाया। स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था का हवाला देकर शंकर घोष सहित पांच BJP विधायकों- अग्निमित्र पॉल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष, और अशोक डिंडा-को पूरे दिन के लिए सस्पेंड कर दिया। लेकिन जब घोष ने सदन छोड़ने से इनकार किया, तो मार्शलों ने उन्हें जबरन घसीटकर बाहर निकाला। इस दौरान घोष बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

शंकर घोषपश्चिम बंगाल विधानसभा में इखढ के चीफ व्हिप हैं और सिलीगुड़ी से विधायक। वे बंगाल इखढ की सियासी रणनीति के अहम खिलाड़ी हैं, जो ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) को कड़ी टक्कर देने में जुटे हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में सिलीगुड़ी से जीतकर उन्होंने ळटउ के गढ़ में सेंध लगाई। घोष BJP के उन नेताओं में हैं, जो हिंदू वोटों को एकजुट करने की रणनीति पर काम करते हैं। वे सुवेंदु अधिकारी के करीबी माने जाते हैं और बंगाल में इखढ की आक्रामक सियासत का चेहरा हैं। लेकिन 4 सितंबर की घटना ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया, जब मार्शलों ने उन्हें घसीटकर बाहर निकाला और उनकी हालत बिगड़ गई।

संपत्तिः शंकर घोष की कुल संपत्ति ₹1 करोड़है, जिसमें ₹28 लाख की देनदारियां शामिल हैं।

आपराधिक रिकॉर्डः उनके खिलाफ 2 आपराधिक मामलेदर्ज हैं।

पारिवारिक स्थितिः उनकी पत्नी बिजन कुमार घोष का निधन हो चुका है।

विधानसभा में हंगामाः क्या हुआ 4 सितंबर को?

पश्चिम बंगाल विधानसभा का तीन दिन का विशेष सत्र(1-4 सितंबर 2025) बंगाली प्रवासियों पर कथित अत्याचारों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। लेकिन 4 सितंबरको आखिरी दिन सत्र सियासी जंग का मैदान बन गया।

ममता का भाषण और BJP का हंगामाः मुख्यमंत्री ममता बनजीर्बंगाली प्रवासियों के मुद्दे पर बोलने वाली थीं। उन्होंने BJP पर'बंगाली विरोधी' और'वोट चोर' होने का आरोप लगाया। तभी इखढ विधायकों ने सुवेंदु अधिकारीके 2 सितंबर को निलंबन पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

शंकर घोष का विद्रोहः BJP चीफ व्हिप शंकर घोषने स्पीकर बिमान बनर्जी से सुवेंदु के निलंबन का कारण पूछा। जब स्पीकर ने जवाब देने से इनकार किया, तो घोष और अन्य इखढ विधायक वेल ऑफ द हाउसमें पहुंच गए और जोरदार नारेबाजी की।

सस्पेंशन और मार्शलों की कार्रवाईः स्पीकर ने अव्यवस्था का हवाला देकर घोष को पूरे दिन के लिए सस्पेंड कर दिया। जब घोष ने सदन छोड़ने से मना किया, तो मार्शलोंने उन्हें जबरन घसीटकर बाहर निकाला। इस दौरान घोष बेहोशहो गए, और अस्पतालले जाया गया।

चार और विधायक सस्पेंडः इखढ की अग्निमित्र पॉल(फैशन डिजाइनर-नेता), मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष, और अशोक डिंडा(पूर्व क्रिकेटर) को भी नारेबाजी के लिए सस्पेंड किया गया। अग्निमित्र को महिला मार्शलोंने बाहर निकाला।

क्यों हुआ हंगामा? सियासी जंग का पदार्फाश

सुवेंदु का निलंबनः 2 सितंबर को सुवेंदु अधिकारी को शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसुके खिलाफ नारेबाजी के लिए सस्पेंड किया गया था। बसु ने सेना पर टिप्पणी की थी, जिसे BJP ने आपत्तिजनक बताया।

बंगाली प्रवासी मुद्दाः ममता ने BJP शासित राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर'अत्याचार' का मुद्दा उठाया। उन्होंने BJP को'बंगाली विरोधी' और'हिंदू विरोधी' करार दिया।

BJP का आरोपः BJP ने कहा कि ममता ने जानबूझकर चर्चा को दबाने के लिए उनके विधायकों को सस्पेंड किया। सुवेंदु ने दावा किया कि ळटउ के'गुंडों' ने मार्शल बनकर हमला किया।

2026 का सियासी खेलः इखढ ५२ ळटउ

पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनावकी आहट सुनाई दे रही है। BJP ने 2021 में पहली बार बंगाल में विपक्षी पार्टी का दर्जा हासिल किया, लेकिन TMC का दबदबा तोड़ना आसान नहीं।

BJP की रणनीतिः 70% हिंदू आबादी को साधने की कोशिश। 2021 में BJP को 50% हिंदू और 7% मुस्लिम वोट मिले, जबकि TMC को 39% हिंदू और 75% मुस्लिम वोट। इखढ अब हिंदू एकजुटता पर जोर दे रही है। TMC का जवाबः ममता ने रामनवमी रैलियां निकालकर'हिंदू विरोधी' इमेज को तोड़ने की कोशिश की। लेकिन BJP का दावा है कि ळटउ मुस्लिम वोटों पर निर्भर है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा का ये हंगामा 2026 के चुनावों की जंग का ट्रेलर है। शंकर घोषऔर BJP विधायकों का सस्पेंशन, ममता का'वोट चोर' तंज, और मार्शलों की बर्बरता ने बंगाल की सियासत में आग लगा दी। क्या BJP इस घटना को ममता के खिलाफ हथियार बनाएगी, या TMC का गढ़ अटूट रहेगा?

इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल में नवजातों की मौत पर बवाल, राहुल गांधी ने कहा- 'हादसा नहीं, हत्या', प्रशासन का अलग दावा

(जीएनएस)।

मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, महाराजा यशवंतराव अस्पताल (MYH) की नवजात गहन देखभाल इकाई (NICU) में दो नवजातों पर चूहों के हमले और उनकी बाद में मौत ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। इस घटना पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने इसे हादसा नहीं, बल्कि "सीधी-सीधी हत्या" करार दिया और मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीनने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया है कि बच्चों की मौत चूहों के काटने से नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई। इस बीच, पोस्टमॉर्टम को लेकर पुलिस के परस्पर विरोधी बयानों ने मामले को और जटिल बना दिया है।

राहुल गांधी ने 4 सितंबर 2025 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लिखा, "इंदौर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत...यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर रूह भी कांप जाए।"

राहुल ने मध्यप्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल अब गरीबों के लिए जीवनदायी नहीं, बल्कि "मौत के अड्डे" बन चुके हैं। उन्होंने लिखा, "एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा गया - जहां इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है, और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं।" राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को निशाने पर लेते हुए कहा, "PM मोदी और MP के मुख्यमंत्री को शर्म से सिर झुका लेना चाहिए। आपकी सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों से स्वास्थ्य का अधिकार छीन लिया है। अब मां की गोद से बच्चे तक छिनने लगे हैं।"

क्या है पूरा मामला?

महाराजा यशवंतराव अस्पताल (MYH), इंदौर में 2 और 3 सितंबर 2025 को नवजात गहन देखभाल इकाई (NICU) में दो नवजातों पर चूहों ने हमला किया। दोनों बच्चों की बाद में मौत हो गई।

इस घटना ने अस्पताल की स्वच्छता और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पहली घटनाः 2 सितंबर को एक नवजात, जो खंडवा के पास एक गांव की रहने वाली लक्ष्मीबाई का बच्चा था, पर चूहों ने हमला किया। बच्चे के सिर और कंधे पर चोटें आईं और उसी दिन उसकी मौत हो गई।

दूसरी घटनाः 3 सितंबर को देवास की रहने वाली रेहाना के नवजात पर चूहों ने हमला किया, जिसके बाद उसकी भी मौत हो गई। ध्ुः1 सीसीटीवी फुटेज में एनआईसीयू में चूहों के घूमने की पुष्टि हुई, जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों में आक्रोश फैल गया। इंदौर के कलेक्टर आशीष सिंह और टल के सुपरिटेंडेंट डॉ अशोक यादव ने दावा किया कि दोनों नवजातों की मौत चूहों के काटने से नहीं हुई।

एयर इण्डिया की खुली पोल! चील की टक्कर ने फ्लाइट पर लगा ब्रेक, अटकी 176 यात्रियों की सांसें

(जीएनएस)।

एयर इंडिया और उसकी सहयोगी एयर इंडिया एक्सप्रेस 2025 में बार-बार सुर्खियों में हैं, लेकिन वजहें शर्मनाक हैं। ताजा मामला विजयवाड़ा हवाई अड्डे का है, जहां 4 सितंबर 2025 को विजयवाड़ा-बेंगलुरु उड़ान को एक चील के टकराने के बाद रद्द करना पड़ा। ये कोई इक्का-दुक्का

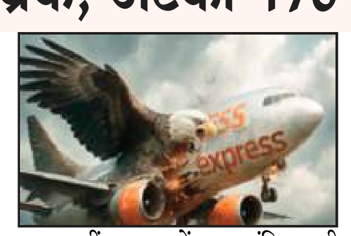

घटना नहीं-2025 में एयर इंडिया की लापरवाही और सुरक्षा में चूक का सिलसिला यात्रियों की जान जोखिम में डाल रहा है।

पक्षी टक्कर, तकनीकी खराबी, और उड़ान रद्द होने की घटनाएं अब आम हो चली हैं। क्या एयर इंडिया की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ कागजी है? आइए, इस खौफनाक सच्चाई की पोल खोलते हैं... 4 सितंबर 2025 को विजयवाड़ा के गन्नवरम हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान बेंगलुरु के लिए तैयार थी।